Prabhat Khabar (Date: - 24/12/2019)

दिव्यांगों को एक ही दिन में मिलेगा प्रमाणपत्र

- बोर्ड के दिन ही करना होगा आवेदन
- हर अस्पताल में मिलेगी आवेदन करने की पूरी जानकारी

संवाददाता ▷ पटना

राज्य भर में दिव्यांगों को एक दिन में उनकी विकलांगता का प्रमाणपत्र मिले, इसको लेकर प्रक्रिया सरल की जा रही है. अब एक ही दिन में विकलांगाता प्रमाणपत्र मिल सकेगा. मेडिकल बोर्ड में शामिल चिकित्सक उस रिपोर्ट से अलग कोई और जांच कराना चाहेंगे और संबंधित अस्पताल में उस जांच की व्यवस्था नहीं होगी, तो रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है. दिव्यांगों को एक दिन में प्रमाणपत्र बने, इसके लिए जिलों के सभी अस्पतालों में प्रक्रिया संबंधी पूरी जानकारी लिखित रूप से नोटिस बोर्ड पर टंगी होगी.

आवेदन जमा करने का भी समय होगा तय

एक दिन में विकलांगता प्रमाणपत्र बनाने वालों को कार्यालय में ही आवेदन भरना होगा . आवेदन के साथ आइडी प्रूफ व आवास का पता अनिवार्य होगा, जो भी अंग विकलांग होगा, उसका तीन फोटो भी आवेदन के साथ ही जमा करना पड़ेगा. राज्य नि:शक्तता आयुक्त शिवाजी कुमार ने बताया कि मोबाइल कोर्ट के माध्यम से एक दिन में विकलांगता प्रमाणपत्र बनाया जाता है . अस्पतालों में कम- से- कम समय लगे, इसको लेकर तैयारी हो रही है . जांच के आधार पर दिव्यांगो को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने होंगे .

Prabhat Khabar (Date: - 24/12/2019)

हर जिले में बनेगा एक जैविक ग्राम

संवाददाता ▷ पटना

राज्य के प्रत्येक जिले में एक जैविक ग्राम बनाया जायेगा. इन गांवों में रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग नहीं होंगे. कृषि विभाग भागलपुर से बक्सर तक गंगा के दोनों किनारे जैविक कॉरिडोर बना रहा है. कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने सोमवार को कृषि विभाग की ओर से बामेती सभागार में किसान उत्पादक संगठन,किसान हितार्थ समूह व महिला खाद्य सुरक्षा समूह के प्रगतिशील किसानों के लिए जैविक खेती विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए यह जानकारी दी. आत्मा योजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में पंचायत स्तर पर कृषक हितार्थ समूह,महिला खाद्य सुरक्षा समूह एवं प्रखंड स्तर पर किसान उत्पादक संगठन बनाकर जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है. इस अवसर पर निदेशक, बसोका, अशोक प्रसाद, बामेती निदेशक, डॉ जितेंद्र प्रसाद, विभागीय पदाधिकारी एवं वैज्ञानिक तथा किसान उपस्थित थे.

कृषि डायरी बतायेगी कीटों का हाल और उपाय

पटना. एक जनवरी को कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार कृषि डायरी का उद्घाटन कर रहे हैं. इस बार की कृषि डायरी में किसानों के लिए बहुत सारी उपयोगी जानकारियों का भंडार रखा गया है. जानकारी के इस बार विभिन्न क्षेत्रों में लगने वाले फसलों में कीटों की जानकारी व उनके बचने के उपाय दिये गये हैं. इसके अलावा किस मौसम में कब से कब तक की फसल लगायी जाती है. किस खेत के लिए कितने उर्वरक की जरूरत होगी. किस क्षेत्र से कितना उपज संभव है. इसकी जानकारी दी गयी है.

Prabhat Khabar (Date: - 24/12/2019)

आज सोनारटोली गुरुद्वारा पहुंचेगी प्रभातफेरी

■ **प्रकाश पर्व को ले पंज प्यारों की अगुआई में निकल रही प्रभातफेरी**

पटना सिटी. खालसा पंथ के संस्थापक गुरु श्री गोविंद सिंह जी महाराज के 353 वें प्रकाश पर्व पर आरंभ हुई प्रभातफेरी का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा. पंच प्यारे के नेतृत्व में तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब से शबद कीर्तन करते हुए निकले सिख संगत का जत्था अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग होते हुए गुरु गोबिंद सिंह घाट का दर्शन करने के बाद झाउगंज गली से कचौड़ी गली होते हुए बाड़ा गली के रास्ते वापस तख्त साहिब लौटा. प्रभातफेरी में संयोजक सरदार दर्शन सिंह, तेजिंदर सिंह बग्गा, सरदार प्रेम सिंह, रणजीत सिंह व इंद्रजीत सिंह बग्गा के साथ काफी संख्या में सिख श्रद्धालु शामिल थे.

प्रबंधक कमेटी के महासचिव महेंद्र पाल सिंह ढिल्लन ने बताया कि मंगलवार को निकलने वाली प्रभात फेरी तख्त साहिब से निकल कर अशोक राजपथ के रास्ते सोनार टोली गुरुद्वारा जायेगी, जहां से दर्शन करने के बाद तख्त साहिब लौटेगी. 11 दिनों तक चलने वाली प्रभात फेरी का समापन 31 दिसंबर को बड़ी प्रभातफेरी से होगा. अगले दिन एक जनवरी को गायघाट स्थित बड़ी संगत गुरुद्वारा से नगर कीर्तन निकाला जायेगा, जो अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग होते हुए तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब आयेगा. इसके अगले दिन दो जनवरी को प्रकाशोत्सव का मुख्य समारोह मनाया जायेगा.

353वें प्रकाश पर्व को लेकर रंगीन रोशनी से सज-धज कर तैयार हुआ पटना सिटी का गुरुद्वारा

पंडाल में सजेगा विशेष दीवान, परिसर में टीवी से देख सकेंगे सीधा प्रसारण

पटना सिटी. साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व को लेकर भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. जिसमें प्रकाश पर्व के लिए तीन दिनों तक विशेष दीवान सजेगा. इसी में शबद-कीर्तन, कथा प्रवचन व कवि दरबार के साथ अन्य धार्मिक आयोजन होगा. संगत अधिक से अधिक गुरुवाणी का सिमरन कर सके, इसके लिए एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर तख्त साहिब परिसर मे एलइडी टीवी लगाया गया है. प्रबंधक कमेटी के महासचिव महेंद्र पाल सिंह ढिल्लन, सचिव महेंद्र सिंह छाबड़ा व जत्थेदार ज्ञानी रणजीत सिंह गौहर-ए-मस्कीन ने बताया मुख्य पंडाल में धार्मिक आयोजन का सिलसिला 31 दिसंबर से आरंभ हो जायेगा. जिसमें संत समागम, कवि, ढ़ाढी व कीर्तन दरबार होगा. इसके लिए देशभर से कवि, संगीतकार, रागी, ढ़ाढी जत्था व प्रचारक आ रहे है. कीर्तन दरबार का समारोह एक जनवरी को होगा. शाम चार बजे से रात 12 बजे तक चलने वाले कीर्तन दरबार में रागी जत्था शामिल होंगी. जबकि दो जनवरी को प्रकाश पर्व पर मुख्य दीवान भी पंडाल में सजेगा.

Hindustan (Date: - 24/12/2019)

जापान रेलवे ने भारत सरकार से किया है संपर्क, जानना चाहा है कि किस तरह ट्रेनों में लगाई जाएं कलाकृतियां

जापान रेलवे के कोच में भी लगेगी मिथिला पेंटिंग

बिहार को गर्व

पटना/हाजीपुर | हिन्दुस्तान टीम

बिहार की प्रमुख लोककला मिथिला पेंटिंग एवं इस कला से जुड़े कलाकारों को अब जापान के लोग भी देख सकेंगे। जल्द ही जापान की ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर मिथिला (मधुबनी) पेंटिंग लगाई जाएंगी। जानकारी के अनुसार जापान की रेलवे ने भारत सरकार से इस संबंध में संपर्क साधा है कि उनके ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों पर मिथिला पेंटिंग किस तरह लगाई जाए।

उल्लेखनीय है कि जापान में मिथिला पेंटिंग काफी लोकप्रिय है। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार के अनुसार 'यूनाइटेड नेशंस इन इंडिया' द्वारा भी ट्विटर के माध्यम से बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को मिथिला पेंटिंग से सजाए जाने की प्रशंसा की गई थी। पटना से जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस को भी मिथिला पेंटिंग से सजाते हुए एक नया लुक प्रदान किया गया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार रेलवे द्वारा उठाए गए इन कदमों से मिथिला पेंटिंग और उससे जुड़े कलाकारों को देश-विदेश में एक नई पहचान मिली है। उन्होंने एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि विश्व के कई देशों के उच्चाधिकारी भी मिथिला पेंटिंग से काफी प्रभावित हुए हैं। अब वे भी अपने देशों में चलने वाली ट्रेनों को इस कला के माध्यम से सजाने की योजना बना रहे हैं।

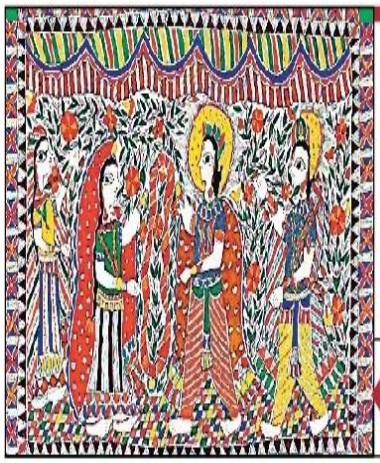

एक प्रसिद्ध मिथिला पेंटिंग।

22

कोच संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के सजे हैं मिथिला पेंटिंग से

जापान में है मिथिला म्यूजियम

जापान में एक म्यूजियम है मिथिला म्यूजियम। इसमें मधुबनी पेंटिंग की कई कलाकृतियां मौजूद हैं। इसे जापान के चर्चित कला प्रेमी टोकियो हासेगावा ने बनाया है। हासेगावा बिहार के कलाकारों से मधुबनी पेंटिंग खरीदते हैं। कई कलाकारों को वे जापान भी बुलाते हैं।